



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
इरिज्युमि	11-12-23	11	2-8

हकृति में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट काँचलेव का हुआ समापन

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ॥॥॥ हिसार



हिसार। स्टूडेंट एंजेजमेंट कॉन्वलेव के समापन अवसर पर संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल। फोटो : हरिभूषण

फोटो : हरिभुमि

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान : शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एड्युकेटचरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू के शिवाम मोगा
  - दूसरा स्थान : लैंधीर सरकारी कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से ईशा ठाकुर।
  - तीसरा स्थान : लैंधीर नगरा बिंद विहाराणा कृषि विश्वविद्यालय, विहार के

की छात्रा पूजा।

- प्रथम स्थान : शेरा एक कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सामिनिया शब्दीर, दानश शब्दीर भट्टु व रोड्ड
  - दूसरा स्थान : घोषी राधन सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सुमाय, सोनीगढ़ व कलंपना गढ़।

वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ,

- प्रथम स्थान : हिमाचल प्रदेश कृषि विद्यवालय, पालमपुर से शैर्क कपूर व भादोन।
  - दूसरा स्थान : वासंतराव नानक मरठताडा कृषि विद्यालय, परमणी से सरवादार प्रयोगभारत व अंतुश्री।
  - तीसरा स्थान : श्री ए कर्णपैठ कृषि विज्ञान और पौधार्थिकी विद्यवालय, पाटिल, कदम व वागमर मध्यपंचान्त.

जिसके माध्यम से कृपि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एन-एचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने

त्र में नए विद्यार्थियों से मिल रहा उपरोक्त अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आङ्ग्रेज किया कि एनएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने



हिसार। खेड़ी बर्की में आयोजित जिला क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में भाग लेते एथलीट



www.oriental.com

लाइकिंगों ने प्रीति य लड़कों ने सोचित ने जारी की। हिसार एवं लाइकिंगस हिसार की ओर से बिहारी गांव खेड़ी बर्की में लड़के त लाइकिंगों के बर्ग की जिला कार्यस कट्टी प्रतियोगिता का रविवार की समाप्ति हुआ। एक सप्ताह बाद हिसार प्रतियोगिता में मुख्य अधिकारी के तौर पर मास्टर वीरेंद्र सिंह का उत्तराधिकारी चयन आयोजित कराया। मास्टर वीरेंद्र सिंह ने अपनी इसकी अस्थापना संस्थापन संस्करण हसराज नामा दी। एकलाइटिक हिसार के महासचिव जगदीश कर्णाली और विशेष संस्था सरिव राजू कबील ने बताया कि हिस्से प्रतियोगिता के विनाय खिलाड़ी 31 जिस्मर्कर की होने वाली राजू स्ट्रीरी प्रतियोगिता में जिला हिसार का प्रतियोगिता करेंगे। यह मैत्री पर मास्टर वीरेंद्र, शंकर शर, सुदीर्घ, राजेश, प्रदीप, लकेश, अनन्त आदि औजूद रहे।

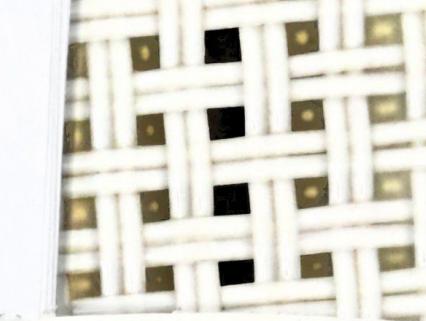
प्रतियोगिता के परिणाम

लडकों के ओपन वर्ग की 10 टिक्कोंमीटर दौड़ में प्रथम विकास, द्वितीय लिलोद, तृतीय असियेक रही। ओपन वर्ग की 10,000 मीटर के लाइकियों के वर्ग में प्रथम अंजु, द्वितीय विशाल, तृतीय सुमन रही। 20 वर्ग आयु वर्ष के लडकों में प्रथम विशाल, द्वितीय विशाल, तृतीय सुमन रही। 20 वर्ष लाइकियों में प्रथम प्रिया, द्वितीय साही व पूजा शर्मा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 18 वर्ष लडकों के वर्ग में प्रथम मोहित, द्वितीय विशाल व तृतीय स्थान पर विकास रहा। 18 वर्ष लाइकियों के वर्ग में प्रथम रमेश, द्वितीय पियंका, तृतीय अचल रही। 16 वर्ष लडकों के वर्ग में प्रथम सरदिन, द्वितीय साहिल, तृतीय सुमोदेश, 16 वर्ष लाइकियों में प्रथम मुक्ताकाल, द्वितीय अनु, और तृतीय स्थान पर पूजा रही।

अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बने।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बेज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि गणराज्य कृषि उच्चतर कृषि शक्ति परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शक्ति को देने के लिए भारत सरकार को एक अहम परियोजना है। प्रो. काम्बेज ने तकनीकों को अपने साथीयों के साथ साझा करें व देश को कृषि क्षेत्र में मजबूती प्रदान करें।

कायोक्रम के द्वारान डॉ. बालासाहेब सावत कोकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, मुरु अगद पर पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर, एक कमीशर यनिवर्सिटी औफ एप्पलकल्पल



हिसान  
विजेता  
प्रतिभागिर  
को सम्मानि  
कर  
मुख्यातिविधि  
प्रौं बीआ  
काम्बोज

सार्वाधिक विकास बेंद्रिक विषयत ली तोड़ी गई। यह वर्षाने हिसार का फिर इंडिया अमिस्यान के तहत दिज़न मृग स्कूल कुरा दूसरी भैरवाल का 10 दिसंबर का प्रॉफेशन किया गया। यह मैराथन तीन दिनों में आयोजित की गई। तीनों दिनों वालों में विद्यार्थियों अमिस्यानों व कई शहरवासियों द्वारा माला दिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ हरियाणा कृषि विद्यवालाय के तुम्हारी पांडीजार कामोजां द्वारा हरी झांडी दिखाकर किया गया। किस्मान कायरड व गोर्ड ऊर्जारों ग्रुप का हिसार में बैठकूट कर एवं अशुक्र लवद्वारा तीन विद्यार्थियों ने संस्कार द्वादशा दिया। कामोजां ग्रा. कामोजां ने शारीरिक विकास की औपचारिक विकास की संस्कृती बताया। उद्घोषित कराते हुए के ज्ञानकरण युग में इसी प्रकार के भैरवाल आयोजित करके समाज को जागरूक करते हैं साथाकर सिद्ध होती। विद्यालय स्थापना हरिपाल पिलालिया ने प्रतिसंविधायों का अमरावती जयता या अपनी हासिल व आज्ञाविशास को सौंध अपनी तकत बनाने के लिए प्रतिष्ठित किया।

**राह एहे लैयाथल के परिणाम**

मेरायलन में जूनियर वर्ग में लड़कियों से अतर, हालाती रोट तथा लड़कों के सुन में योगेश्वर, हेमत व नवीन के क्रमशः एप्ल डिस्ट्रीब्यू व तुरंत हासिल किया। इसी प्रकार सीवियर वर्ग में मीनाल्ही द्वादश उत्तोषी, सुलदान, भक्तल लंगी श्रीकांती तथा रामन धारपाल किया। मास्टर वर्ग में जय कुमार शर्मा, उदय सिंह द्वादश श्रीकांती, पालन् व चूपान् औमपाती, रोला त्यानी तथा दीपन व दीपेन मैट्टर सभ्यतापालित किया गया।

निदेशक डॉ. अतुल हांगड़ा ने प्रमुखतापि सहित सभी का स्वागत किया। जबकि स्नातकोत्तर शिक्षा अधिकारा एवं आईआईटी परियोजना के प्रमुख अवेदन डॉ. विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ.

१०. एस. परमार बागवानी एवं निकी विश्वविद्यालय, सोलन से नए चईंही-आईडीपी प्रोजेक्ट के प्रतिवेश के शिक्षण संस्थानों प्रशिक्षण विधियों ने अपने ऊन्हें भी ज्ञान किए। छात्र कलाला केड़ी शमा न धन्यवाद प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. अमिता परिधर व छात्रा स्मोकर ने किया। मुख्यालिंग ने विभिन्न प्रतीतोगियां में विजेता रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उज्ज्वल	११-१२-२३	५	१-५

## एचएयू में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि डॉ. अग्रवाल बोले अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा

मंवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में चल रहा दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव रविवार को समाप्त हो गया। इस दैरान मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नड़ी दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल रहे। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मान किया कि एनएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी स्टर्टअप शुरू करें व दूसरों को भी रोजार देने वाले बनें।

उन्होंने कहा कि आईडीपी इंस्टीट्यूशनल प्लान के तहत दो हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देंगों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उपर्युक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमआयू हुए हैं। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि आईडीपी को कृषि क्षेत्र में मॉर्टगिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए। भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भंडारण, पोषण सुकृत अन्यों से निदान के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों का नए पक्षचारों के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण करने चाहिए। कुलपति प्रो. बीआर कावोंजे ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत विविध में पांच प्रोफेशनालों एवं 14 व्याख्यान कक्ष का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं प्रौद्योगिकी भी खरीदी है। विविध के 102 विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं।

कार्यक्रम में डॉ. बालामाहेब सावंत कौकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जमू, वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यालय, परभणी, शर ए. कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाईएस परमार, सोलन से एनएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत विदेश के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए।



एचएयू में आयोजित स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव में मौजूद अधिकारी, शिक्षाविद। शो : विविध

### विटेशों में शोध के पहले होते हैं रिस्क टॉस्क परीक्षण

मैंने यूनिवर्सिटी ऑफ के मेलबर्न में विजिट कर एक महीने की ट्रैनिंग की थी। वहाँ किसी भी विषय पर शोध करने से पहले टॉस्क रिस्क एक्सपर्टमेंट किया जाता है, जिसमें यह देखा जाता है कि इस परीक्षण से स्वास्थ्य के साथ तकनीकी तरह का कूनक्सान तो नहीं है। भारत में हम कई बार विविध सेस्टी की ही परीक्षण करने लग जाते हैं। मेलबर्न विविध में छोटे से छोटे परीक्षण को पूरे सुरक्षा उपकरण के साथ करते हैं। वहाँ पर शोध के किमी भी करते हैं। जिससे शोध के लिए आवश्यक मानी उपलब्ध होती हैं तो शोधार्थियों को किसी तरह को परासानो नहीं होती है। मेरा शोध एक विषय सम्बन्धी और फसलों की लागत कूशल जीनो टाईपिंग है।



- शुभम, शोधार्थी पालमपुर।



मेरा शोध का विषय कृषि उद्यमिता और प्रबंधन में कौशल और पुनः कौशल है। इसके लिए वेस्टर्न यूनिवर्सिटी आस्ट्रेलिया के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। वहाँ के विद्यार्थियों में आत्मवि�श्वास और अनुशासन था। वहाँ पर विद्यार्थी पढ़ाई के साथ-साथ जाव भी करते हैं। भारत में विद्यार्थियों को भी पढ़ाई के साथ-साथ कमाई भी करनी चाहिए। सकार को इकान्ट्रो चूर्च और लैब पर खर्च बढ़ाना चाहिए। लाइब्रेरी में घर जैसा माहौल था। विद्यार्थी एक सोफे पर टेबल पर लेपटप पर खरकर पढ़ रहे थे। - संघर्ष, शोधार्थी, डॉ. बालामाहेब सावंत कौकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली।

आस्ट्रेलिया में शोध कैसे होते हैं, उनके बारे में आस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों से वहाँ जान देनिंग के दोस्त बातचीत की। वहाँ पर पढ़ाई प्रैक्टिकल के आधार पर होती है, जबकि भारत में पढ़ाई व्योमों के आधार पर जाना होती है। वहाँ के अधिकतर विद्यार्थी पार्ट टाइम जाव करते हैं और साथ में हायाए प्रज्ञक्षेत्र करते हैं। इसके अलावा वहाँ और भारत की एकेजेशन में इतना ज्यादा करते हैं। इसके अलावा विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर इतना स्ट्रेस नहीं लेते हैं। वहाँ के शिक्षकों और विद्यार्थियों में दोस्त वाला व्यवहार होता है। इसमें डाटट जल्द विलय होते हैं। मेरा शोध का विषय कृषि उद्यमिता और प्रबंधन में कौशल और पुनः कौशल कैसे करते हैं। - नेहा, शोधार्थी, डॉ. बालामाहेब सावंत कौकण कृषि विश्वविद्यालय, दापोली।

### यहाँ विजेता

पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता

प्रथम : शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एयोकल्चरल साइंसेज एंट टेक्नोलॉजी, जम्मू के शिवम मणि।

द्वितीय : वौधारी सरवत कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से ईशा ठाकुर।

तृतीय : एचएयू के कृषि महाविद्यालय की लात्रा पूजा।

### प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सानिया शब्दीर, दानेश शब्दीर भट्ट व रोइद।

द्वितीय : एचएयू के कृषि विश्वविद्यालय की सुमाय, सनिया व कल्पना यादव।

तृतीय : वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यालय, परभणी से पाटिल, कदम व वागमारा स्टैजिल।

### पैनल डिस्कशन

प्रथम : हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से शोर्य कपूर व भावना।

द्वितीय : वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यालय, परभणी से सत्यादार प्रिया प्रभाकर व अनुष्ठी।

तृतीय : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर से सानिया शब्दीर व दानेश शब्दीर।

### भारत और थाइलैंड का सिस्टम

विल्कुल अलग है। हमारे देश में व्यायामन दिए जाते हैं। वहाँ हमें एक विषय पर व्यायामन मिलता उसके बाद ब्रेक मिलता था। वहाँ विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर इतना स्ट्रेस नहीं लेते हैं। मेरा शोध का विषय सोफॉर्ड वाला व्यवहार होता है। वहाँ के लोगों द्वारा देश में व्यायामन दिए जाते हैं। वहाँ हमें एक विषय पर व्यायामन मिलता उसके बाद ब्रेक मिलता था। वहाँ विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर इतना स्ट्रेस नहीं लेते हैं। मेरा शोध का विषय सोफॉर्ड साइंस और इनोवेशन रहा। थाइलैंड में सोफॉर्ड और पैकिंग सोफॉर्ड, कैन फूड जारी है। इसके बारे में थाइलैंड से सीधे कर आए हैं। भारत में सोफॉर्ड, कैन फूड इतना ज्यादा नहीं है।



- अर्णा अरमान, शोधार्थी



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब क्रेस्टी	11-12-23	3	५-८

## जलवायु परिवर्तन सहित भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा : डॉ. अग्रवाल

### हकूमि में आयोजित 2 दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव सम्पन्न

हिसार, 10 दिसम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन कायक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कायक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपर्युक्त विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एन.ए.एच.ई.पी. की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार एवं अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एम.ओयू.हुए हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, खाद्य भंडारण, पोषण सुरक्षा सहित अन्यों से निदान के लिए नवीनतम तकनीकों को अपनाना होगा। मुख्यातिथि अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों



कायक्रम को संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल।



कायक्रम के दौरान मौजूद अधिकारीण, शिक्षाविद् एवं विद्यार्थी।

प्रयास करने चाहिए।

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने एन.ए.एच.ई.पी. परियोजना के बारे बताते हुए कहा कि ढांचागत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि

हकूमि के 102 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं।

इस दौरान हुई प्रतियोगिता पोस्टर मेकिंग में प्रथम स्थान : शिवम मोंगा, दूसरा स्थान ईशा ठाकुर, तीसरा स्थान छात्रा पूजा ने प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद, दूसरा स्थान सुमाय, सोनिया व कल्पना यादव व तीसरा स्थान पाटिल, कदम व वागमारे स्वप्ननिल ने प्राप्त किया। पैनेल डिस्कवरी में प्रथम स्थान शौर्य कपूर व भावना, दूसरा स्थान सतवादार प्रिया प्रभाकर व अनुष्ठ्री व तीसरा स्थान सानिया शब्बीर व दानेश शब्बीर को मिला।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

ईडीजी ७०८८८

दिनांक

११-१२-२३

पृष्ठ संख्या

३

कॉलम

२-५

## • हृकृषि में दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्कलेव का समापन **प्रशिक्षण से स्टूडेंट्स को स्टार्टअप की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. आरसी अग्रवाल**

भारतरत्न| हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्कलेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक कृषि शिक्षा डॉ. आरसी अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि डॉ. आरसी अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इंस्टीट्यूशनल लॉन के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संसाधनों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विज्ञन में भी वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकीयों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएचई परियोजना के बारे बताया।



### पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान:** शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एशीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू के शिवम मोंगा

- दूसरा स्थान:** चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से ईशा ठाकुर।

- तीसरा स्थान:** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि महाविद्यालय की छात्रा पूजा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान:** शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद

- दूसरा स्थान:** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सुपाय, सौनिया व कल्मना यादव।

- तीसरा स्थान:** वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यालय, परभणी से पाटिल, कदम व वागमरे ने प्राप्त किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
**ईडीज़ जागरण**

दिनांक  
**11-12-23**

पृष्ठ संख्या  
**५**

कॉलम  
**१-५**

## छात्रों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा: अग्रवाल

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंजेमेंट कान्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डा. आरसी अग्रवाल ने शिरकत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इस्ट्रीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दो दिवसीय स्टूडेंट एंजेमेंट कान्क्लेव में संबोधित करते मुख्य अतिथि डा आरसी अग्रवाल व मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज, डा. अतुल ढींगड़ा व अन्य। • जागरण

विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को विज्ञान में भी वृद्धि हो। विश्व बैंक प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा सभी लक्षणों की प्राप्ति करने पर एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके

विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें। दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें। साथ ही वे अपने विषयों में प्राप्त आधारभूत जानकारी पर निर्भर न रहकर उसकी गहन जानकारी प्राप्त करें।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

6

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उजीर समाचार	११-१२-२३	५	१-५

## अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलगी प्रेरणा : डॉ. आर.सी. अग्रवाल

### हक्कि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्कलेव का हुआ समापन



हक्कि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्कलेव के समापन अवसर पर संबोधित करते मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल।

हिसार, 10 दिसम्बर (विरोद्ध वर्षा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्कलेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट

के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि एनएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के आधार पर स्वरोजगार स्थापित करें व दूसरों को भी रोजगार देने वाले बनें। अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रयास करने चाहिए।

कुलपति प्रो.बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय में एनएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि दांचागत विकास, पाद्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। उन्होंने बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 102 विद्यार्थी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 44 विद्यार्थी प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम के दैरान डॉ. बालासाहेब सावंत कोकण कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में

विश्वविद्यालय, दापोली, गुरु अंगद देव पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टैक्नोलॉजी, जम्मू वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यार्थी, परभणी, शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर व डॉ. वाई.एस.परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन से एनएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के

अंतर्गत विदेश के शिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों ने साइंसेज एंड टैक्नोलॉजी, जम्मू के शिवम मेंगा।

दूसरा स्थान : चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से इशा ठाकुर।

तीसरा स्थान : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कृषि महाविद्यालय की ओत्रा पूजा।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रथम स्थान : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर की सानिया शब्बीर, दानेश शब्बीर भट्ट व रोईद।

दूसरा स्थान : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की सुमाय, सोनिया व कल्पना यादव।

तीसरा स्थान : वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यार्थी, परभणी से पाटिल, कदम व बागमारे स्वपनिल।

पैनेल डिश्कशन

प्रथम स्थान : हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर से शौर्य कपूर व भावना।

दूसरा स्थान : वसंतराव नाइक मराठवाडा कृषि विद्यार्थी, परभणी से सतवालर प्रिया प्रभाकर व अनुमी।

तीसरा स्थान : शेर ए कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर से सानिया शब्बीर व दानेश शब्बीर।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

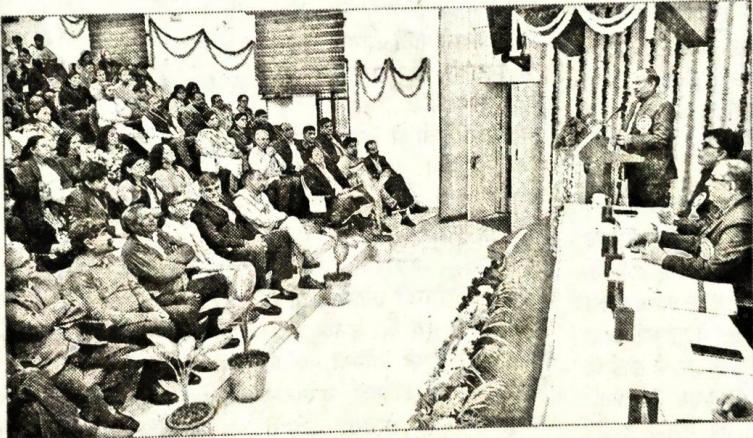
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	11-12-23	6	1-5

# अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा: डॉ. अग्रवाल हक्कुवि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का हुआ समापन

■ उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए एमओयू

सच कहूँ/श्याम सुन्दर सरदाना हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएचईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेजी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत



आईडीपी इस्टीट्यूशनल प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आत्मविश्वास विकसित हो व उनके विज्ञन में भी वृद्धि हो। उन्होंने बताया कि विश्व बैंक ने एनएचईपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसा जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गर्व की बात है।

मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की आईडीपी इकाई की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि क्षेत्र में नए शोध, तकनीकों, नवाचारों व प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमओयू हुए हैं।

हक्कुवि अपने विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय तकनीक व एक्सपोजर देने में निभा रहा

अग्रणी भूमिका: कुलपति काम्बोज कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएचईपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा को मजबूती देने हेतु भारत सरकार की एक अहम परियोजना है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में संस्थागत विकास को मजबूत करने व अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने और कृषि के क्षेत्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ढांचागत विकास, पाद्यक्रम विकास, फैकल्टी क्षमता विकास, नवाचार व उद्यमिता के साथ संरचना को बढ़ावा देना इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत हक्कुवि में 5 प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्षों का नवीनीकरण किया है व व नए उपकरण एवं पुस्तके भी खरीदी है। हक्कुवि के 32 शिक्षकों ने उपरोक्त परियोजना के तहत विभिन्न देशों जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पौलैंड इत्यादि देशों में आयोजित प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में हिस्सा लिया है।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

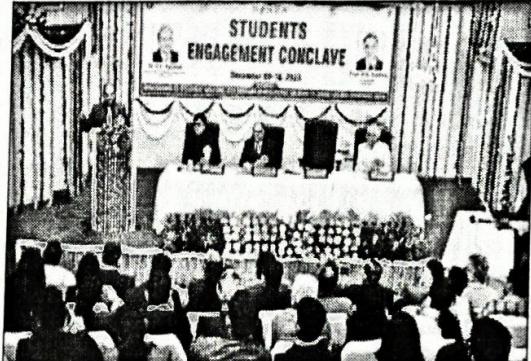
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	10.12.2023	--	--

**अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. आर.सी.अग्रवाल**

साधसन हरियाणा न्यूज़

हिमारा, 10 दिसंबर। उधीरी चरण मिं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मनीक विज्ञान भारतीयों की महाविद्यालय में छात्र कल्याण निटेंजलीय की ओर से दो दिवसीय मृद्गुड़े एंगिक-कॉन्क्रेट का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अनिवार्य के रूप में भारत कृषि अनुसंधान परिषद् ने दिल्ली के डॉ-भारतिनेश्वरक (कृषि शिक्षा) हैं, आर.सी. अग्रवाल और जयविं विश्वविद्यालय के कृष्णपाल श्री वी.आर.कान्तोड़े ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यतात्त्विक लौ. आर.सी. अग्रवाल ने अपने संबोधन में उपस्थित विद्यार्थियों को गृहीत दृढ़ता दृढ़ता रिश्ता परियोजना एवं एनएसईपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उत्तरीकृत परियोजना का प्रारंभ से उपलब्ध संसाधनों में देखी गई विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आइटीपी इन्स्टीट्यूशनल ज्ञान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न दौरों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं गोष्ठ मंडलों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंतर्गत आवश्यक ज्ञान के विकास की प्राप्ति करने पर प्रशासन जाहिर को, जोकि इन सभी के लिए गर्व का दावा करता है, विजित में भी बहुत ही उत्तम है। उन्होंने कहा कि विश्व वैदेश ने एनएसईपी-आईटीपी प्रोवेन्युल के द्वारा सभी लकड़ीयों की प्राप्ति करने पर प्रशासन जाहिर को, जोकि इन सभी के लिए गर्व का दावा करता है, विजित में भी बहुत ही उत्तम है।

कि कृषि क्षेत्र  
बनाने चाहिए



हक्की अपने विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय तकनीक व एक्सपोज़ देने में निभा रहा अग्रणी भूमिका। कूलपति प्रो. श्री.आर. काम्बोज कुमारपति प्रो. श्री.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएचर्चर्ची पर्सनेजन के बारे बताया। उन्होंने कहा कि गैरोप्रय कृषि उच्चतर कृषि शिक्षा परियोजना कृषि क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा को प्रदान करें हेतु भारत सरकार को एक अहम परियोजना है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में संस्थानीय विकास को मजबूत करने व अनुसंधान धर्मात्मकों को जड़ने और कृषि के क्षेत्र में शिक्षकों व विद्यार्थियों को मरणक बनाने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाजारीय विकास, पाराइक्रम विकास, फिल्टरी अभ्यास विकास, नवाचार व उद्योगिक के माध्य मंसूबों को बढ़ावा देना इन परियोजनों के मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि नींधीरी चारण मिल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिमाचल में एनएचर्चर्ची आईडीपी दशोली, गुरु अंगद टेक पश्च चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, शेर ए कर्मनोर यन्मिमी जॉफ पर्सनेकल्चरल महाविद्यालय एवं टेक्नोलॉजी, जम्मू, बंगलाराज नाडक मण्डलाकांड कृषि विद्यालय, राजभागी, शेर ए कर्मनोर कृषि विज्ञान और डॉक्योमेंटिक विश्वविद्यालय, कर्मनोर व लंबावाह एम्स परमार चागवानों एवं वानिको विश्वविद्यालय, मोलन से एनएचर्चर्ची-आईडीपी प्रोवेन्यू के अंतर्गत विदेश के लिखण संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त कर नुक्के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं इसमें जड़े सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, शिक्षाविद, वैज्ञानिक, सोशलर्सी महिल विद्यार्थी मौजूद रहे। छात्र काल्पनिक निदेशक ही अलंकृत हीराजा ने मध्यस्थिति महिल सभी का स्वागत किया, उनकी उपस्थिति के लिए विद्यार्थी एवं आईडीपी परियोजना के प्रमुख अव्यवहक ही क.डॉ. शमी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। नवं का संचालन ही अमित पिरधर व छात्रा स्लोवर ने किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.12.2023	--	--

हक्कि में आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव का हुआ समाप्त

## अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : डॉ. अग्रवाल

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय स्टूडेंट एंगेजमेंट कॉन्क्लेव आज सम्पन्न हो गया। समाप्त ममारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी कृषि अनुसंधान परियोग नई दिल्ली के उप-महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आरसी अग्रवाल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. कामोजे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्यातिथि डॉ. आरसी अग्रवाल ने अपने मनोरंग में उपर्युक्त विद्यार्थियों को गांधीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एनएचपी की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गांधीय स्तर पर कृषि विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों में तेज़ी से विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईडीपी इन्स्टीट्यूशन्स ने ज्ञान के लक्ष्य के विश्वविद्यालयों के



विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न संस्थानों में भेजा जा रहा है ताकि विद्यार्थियों के अंदर आनन्दित्वास विकसित हो व उनके विज्ञ में भी बढ़िद हो। उन्होंने बताया कि विश्व विज्ञ में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए एनएचपी-आईडीपी एवं एचटीसी-आईडीपी के अंतर्गत शिक्षा संस्थान अथवा संनिधन द्वारा उपलब्ध होती है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को एनएचपी-आईडीपी एवं एचटीसी-आईडीपी के अंतर्गत विद्यार्थियों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र की मुख्यातिथि अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की विदेशी संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध बनाये हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत नई-नई तकनीकों को किसानों तक पहुँचाने के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षण करने चाहिए।

आगर पर स्वरोजगार स्थापित करे व दूसरों के लिए गहलूपूर्ण कार्य किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दौचामत विकास, पाठ्यक्रम विकास, फैकल्टी शमाला विकास, नवाचार व कार्यक्रम के साथ संस्कृति को बढ़ावा देना इस में मार्केटिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों जैसे-जलवायु परिवर्तन, खाद्य सूक्ष्मा, खाद्य भंडारण, योजना सुरक्षा सहित अन्य संनिधन के लिए नवाचार तकनीकों को अपनाना होगा। मुख्यातिथि अग्रवाल ने कहा कि कृषि क्षेत्र की विदेशी संस्थानों एवं कृषि विश्वविद्यालयों के साथ अनुबंध बनाये हैं। इस प्रोजेक्ट के तहत हक्कि में 5 प्रयोगशालाएं एवं 14 व्याख्यान कक्षों का नवीनीकरण किया है व नए उपकरण एवं पुस्तके भी खरीदी हैं। हक्कि के 32 अध्यक्षीय भाषण में विश्वविद्यालय में एनएचपी परियोजना के बारे बताया। उन्होंने जिसके गांधीय कृषि शिक्षा को उच्चतर शिक्षा के लिए भेजे गए थे, उनके विज्ञ में भी बढ़िद हो। उन्होंने बताया कि विश्व विज्ञ में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए एनएचपी-आईडीपी के अंतर्गत शिक्षा संस्थानों व प्रायोगिकियों को बढ़ावा देना जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पौलैंड इत्यादि देशों में आयोजित प्रशिक्षणों का गांधीय कृषि उच्चतर शिक्षा को प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा परियोजना है, जिसके तहत शैक्षणिक संस्थानों में संस्थापन विकास को मजबूत करने व अनुसंधान शमालाओं को बढ़ाने और कृषि के

विकास की उपरोक्त प्रोजेक्ट के लिए विभिन्न संस्थानों के लिए गर्व की बात है। एमआय द्वारा उन्होंने विद्यार्थियों से अल्पावधि की कृषि कॉन्क्लेव की भी आयोजित की गयी है। उन्होंने कहा कि एनएचपी-आईडीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्राप्त विद्यार्थी अपने अनुभवों के अनुसंधान शमालाओं को बढ़ाने और कृषि के



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	10.12.2023	--	--

## अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को स्टार्टअप शुरू करने की मिलेगी प्रेरणा : मुख्यातिथि डॉ. आर.सी.अग्रवाल

हिसार ( चिराग टाइम्स )  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं यांत्रिकी विभागों में छात्र काल्याच विदेशीय की ओर से दो दिवारीय स्टूडेंट एंगेजमेंट काउलेज का यापापत्र कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय मुख्य अधिकारी के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल द्वारा ज्ञानिक विश्वविद्यालय के कृषिकौशली प्रो. डॉ. श.स. बाल्मोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्यातिथि डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने अपने संकोचन में उपस्थित विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कृषि उच्चतर शिक्षा परियोजना एवं एनवाईपी की विमारपर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर कृषि

विश्वविद्यालयों में उपरोक्त परियोजना के माध्यम से उपलब्ध समस्याओं में हेतु में विकास हुआ है। इस परियोजना के अंतर्गत आईटीपी इन्स्टीट्यूशन्स प्लान के तहत कृषि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण व शोध के लिए विभिन्न देशों के कृषि विश्वविद्यालयों एवं शोध संस्थाओं में भेजा जा रहा है जोकि विद्यार्थियों के अंदर अत्यनियन्त्रित विकसित हो व उनके विज्ञन में भी नुइंद हो। उन्होंने बताया कि विद्या वैज्ञानिक मैट्रिक्स के द्वारा एनएपीईपी-आईटीपी प्रोजेक्ट के द्वारा सभी लक्ष्यों की प्राप्ति करने पर प्रशंसन जाहिर की, जोकि हम सभी के लिए गध जी बात है। मुख्यातिथि ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की आईटीपी इन्स्टीट्यूशन की भी मराहना की। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत

2 हजार से अधिक विद्यार्थी 55 देशों में शोध एवं प्रशिक्षण के लिए भेजे गए थे, जिसके माध्यम से कृषि शेष में नए शोध, नक्सीकारी, नवाचारी व औद्योगिकियों को जड़ाप मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त प्रोजेक्ट के तहत 450 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एमआरपी हुए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों में आहार विद्या कि एनएपीईपी-आईटीपी प्रोजेक्ट के तहत प्रशिक्षण प्रबल विद्यार्थी अपने अनुभवों के अध्याय पर स्वरीकार स्थापित करें व दूसरों को भी गोनगार देने वाले थें। साथ ही वे अपने विद्यार्थी में द्वारा आमारपूर जानकारी पर निर्भर न रहकर उसकी गहन जानकारी प्राप्त करें। इसके अलावा विद्यार्थियों को कृषि शेष में गार्डेंटिंग के नए-नए तरीकों को अपनाना चाहिए।